

सार्वजनिक वित्त का परिचय (Introduction of Public Finance):

1.0 सार्वजनिक वित्त, देश की अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका का अध्ययन करता है। यह अर्थशास्त्र की वह शाखा है जो सार्वजनिक प्राधिकरणों (केन्द्रीय,राज्य,एव स्थानीय सरकारो) के आय और व्यय और उनके वांछित प्रभावों को प्राप्त करने और अवांछनीय लोगों से बचने के लिए एक या दूसरे के समायोजन का आकलन करता है। सार्वजनिक वित्त सरकारी आय,व्यय, वितरण और सामाजिक समानता के मुद्दों से जुड़ा हुआ विषय है। सरकारें भुगतानों के माध्यम से उच्च और निम्न-आय वाले लोगो में अलग-अलग व्यवहार करने वाली कर प्रणालियों को बनाकर आय को पुनः प्राप्त कर सकती हैं। वित्तीय संसाधनों को कुशलतापूर्वक आवंटित करने और उपयोग करने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था से पर्याप्त संसाधनों का संग्रह कुशलतापूर्वक और प्रभावी रूप से करना अच्छे वित्तीय प्रबंधन का गठन करता है। संसाधन उत्पत्ति, संसाधन आवंटन, संसाधन उपयोग और व्यय प्रबंधन एक सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के आवश्यक घटक हैं। इस प्रकार, हम प्रस्तुत सामग्री में सार्वजनिक आय, सार्वजनिक व्यय प्रबंधन और वित्तीय प्रशासन के विभिन्न पहलुओ का अध्ययन करेंगे।

1.1 सार्वजनिक वित्त (Public Finance) :

फिंडले शिराज़ के अनुसार-

"सार्वजनिक वित्त उन सिद्धांतों का अध्ययन है जो सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा धन के प्राप्त करने, व्यय करने और उन्हें बढ़ाने के लिए अंतर्निहित है।"

एच लुट्ज़ के अनुसार -

"सार्वजनिक वित्त, सरकारी या सरकारी कार्यों के संचालन के लिए आवश्यक संसाधनों के प्रावधान, प्राप्ति और विवेकाधिकार उपभोग से संबंधित है।"

ह्यूग डाल्टन के अनुसार

"सार्वजनिक वित्त का संबंध सार्वजनिक प्राधिकरणों की आय और व्यय और उनके एक दूसरे के साथ समायोजन से है।"

1.2 सार्वजनिक वित्त की प्रकृति :(Nature of public Finance):

सार्वजनिक वित्त की प्रकृति का अर्थ है कि यह एक विज्ञान या कला है या अन्य है।

1- सार्वजनिक वित्त विज्ञान के रूप में:

विज्ञान किसी भी विषय का व्यवस्थित एवम क्रमबद्ध अध्ययन है जो तथ्यों के बीच संबंध का अध्ययन करता है। सार्वजनिक वित्त को विज्ञान के रूप में रखा गया है जो सरकार के वित्त की आय और व्यय से संबंधित प्रत्येक पहलुओं का विश्लेषण करता है। यह सरकार के राजस्व और व्यय से संबंधित तथ्यों के बीच संबंधों का अध्ययन करता है।

विज्ञान के रूप में लोक वित्त के समर्थन में तर्क है कि-

1. यह सरकारी व्यय और राजस्व से संबंधित तथ्यों और सिद्धांतों का व्यवस्थित अध्ययन है।

2. सार्वजनिक वित्त के सिद्धांत अनुभवजन्य हैं।

3. वैज्ञानिक तरीकों के उपयोग से इसका अध्ययन किया जाता है।

4. यह मानव ज्ञान के निश्चित और सीमित क्षेत्र से संबंधित है।

2- लोक वित्त कला के रूप में :

निश्चित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कला ज्ञान का प्रयोग किया जाता है। राजकोषीय नीतियां जो सार्वजनिक वित्त का एक महत्वपूर्ण साधन हैं वे पूर्ण रोजगार, आर्थिक विकास और समानता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार के राजस्व और व्यय के ज्ञान का उपयोग करती हैं। मूल्य स्थिरता, आर्थिक समानता, करों के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विरोध किया जा सकता है इसलिए उनके समय और मात्रा की योजना बनाना महत्वपूर्ण है। इसलिए कर लगाने की प्रक्रिया एक कला है। लोक वित्त का अध्ययन कई व्यावहारिक समस्याओं को हल करने में सहायक है इसलिए सार्वजनिक वित्त एक कला भी है।

3- सकारात्मक विज्ञान के रूप में :

यह एक सकारात्मक विज्ञान है क्योंकि सरकार के राजस्व और व्यय की समस्याओं के बारे में सार्वजनिक वित्त संबंधी तथ्यात्मक जानकारी के अध्ययन से इसके बारे में जाना जा सकता है। यह इस संबंध में सकारात्मक सुझाव भी देता है।

4-मानक विज्ञान के रूप में:

यह मानक विज्ञान भी है क्योंकि सार्वजनिक वित्त का अध्ययन सरकार के वित्तीय कार्यों के मानदंडों या मानकों को प्रस्तुत करता है। यह बताता है कि करों की मात्रा, करों के प्रकार और सार्वजनिक व्यय से कम किन मदों पर खर्च किया जा सकता है।

उपरोक्त चर्चा से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सार्वजनिक वित्त विज्ञान और कला के साथ साथ यह सकारात्मक एवम मानक विज्ञान के रूप में भी सरकार के वित्तीय कार्यों के सकारात्मक मानदंडों या मानकों को प्रस्तुत करता है।

1.3 सार्वजनिक वित्त के विषय या क्षेत्र (Scope Of Public Finance):

सार्वजनिक वित्त में न केवल सरकार की आय और व्यय शामिल हैं, बल्कि आय के स्रोत और विभिन्न सरकारी निगमों, सार्वजनिक कंपनियों और अर्ध सरकारी उपक्रमों के खर्च का तरीका भी शामिल है। इस प्रकार सार्वजनिक वित्त का क्षेत्र सरकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण के तहत काम करने वाले स्वतंत्र निकायों के अध्ययन के साथ साथ उसके विभिन्न पहलुओं तक फैला हुआ है। सार्वजनिक वित्त के क्षेत्र में निम्न शामिल हैं:-

1. सार्वजनिक राजस्व (Public Revenue):

सार्वजनिक वित्त उन सभी स्रोतों या तरीकों से संबंधित है जिनके माध्यम से सरकार राजस्व अर्जित करती है। यह कराधान, राजस्व बढ़ाने के तरीके, राजस्व का वर्गीकरण, घाटे का वित्तपोषण आदि के सिद्धांतों का अध्ययन करता है।

2. सार्वजनिक व्यय (Public Expenditure):

यह सार्वजनिक व्यय का अध्ययन करता है कि सरकार विभिन्न खर्चों की पूर्ति के लिए संसाधनों का वितरण कैसे करती है। यह उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करता है जो सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों को आवंटित करते समय और उनके व्यय के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए करना चाहिए।

3. सार्वजनिक ऋण (Public Borrowings):

यह आंतरिक और बाहरी स्रोतों से सरकार द्वारा उधार लेने से संबंधित है। किसी भी समय सरकारों के अपने राजस्व से अधिक व्यय हो सकता है। घाटे को पूरा करने के लिए, सरकार ऋण लेती है। सार्वजनिक वित्त का अध्ययन ऋण जुटाने की समस्याओं और ऋणों के पुनर्भुगतान एवम मोचन के तरीकों पर केंद्रित है।

4. वित्तीय / राजकोषीय प्रशासन :

वित्तीय प्रशासन का क्षेत्र व्यापक है। इसमें सरकार के सभी वित्तीय कार्य शामिल हैं। इसमें बजट का मसौदा तैयार करना और मंजूरी देना, बजट का ऑडिट करना आदि शामिल हैं। वित्तीय प्रशासन का संबंध राज्य के विभिन्न वित्तीय कार्यों को करने के लिए जिम्मेदार सरकारी मशीनरी के संगठन और कार्यप्रणाली से है। बजट सरकार की प्रमुख वित्तीय/ राजकोषीय प्रशासन योजना है।

5. आर्थिक स्थिरीकरण और विकास:

वर्तमान समय में, सार्वजनिक वित्त मुख्य रूप से किसी देश की आर्थिक स्थिरता और इससे संबंधित अन्य समस्याओं से संबंधित है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए, सरकार अपनी राजकोषीय नीति तैयार करती है जिसमें राष्ट्र के आर्थिक स्थायित्व के लिए निर्देशित विभिन्न राजकोषीय उपकरण शामिल होते हैं।

6. संघीय वित्त (Federal Finance) :

सरकार की संघीय प्रणाली में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच आय और व्यय के स्रोतों का वितरण भी सार्वजनिक वित्त के विषय के रूप में अध्ययन में शामिल किया जाता है। सार्वजनिक वित्त की यह शाखा फ़ेडरल फ़ाइनेंस के नाम से प्रसिद्ध है।

7. सकारात्मक विज्ञान:

यह एक सकारात्मक विज्ञान है क्योंकि सरकार के राजस्व और व्यय की समस्याओं के बारे में सार्वजनिक वित्त संबंधी तथ्यात्मक जानकारी का अध्ययन कर सकता है यह और इस संबंध में सुझाव भी देता है।

8. मानक विज्ञान :

यह मानक विज्ञान भी है क्योंकि सार्वजनिक वित्त का अध्ययन सरकार के वित्तीय कार्यों के मानदंडों या मानकों को प्रस्तुत करता है। यह बताता है कि करों की मात्रा, करों के प्रकार और सार्वजनिक आय को किन किन मदों पर खर्च किया जा सकता है।